माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

केवल बोर्ड परीक्षा 2021 के लिए

संशोधित पाठ्यक्रम

कक्षा 11 एवं 12

विषय–संगीत

कण्ठ,स्वर वाद्य,ताल वाद्य एवं नृत्य

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

विषय : संगीत गायन/कण्ठ (सैद्धान्तिक)
विषय कोड : 16
कक्षा : XI
(खण्ड–अ)

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
अध्याय 1	परिभाषा – श्रुति, जाति, थाट
अध्याय 2	रागों का विस्तृत वर्णन – 1. राग भैरव 2 राग देशकार
अध्याय 3	संगीतज्ञों का योगदान एवं जीवनियाँ – 1. भीमसेन जोशी 2 किशोरी अमोनकर
अध्याय 4	विविध बंदिशों का विस्तृत व शास्त्रीय ज्ञान – 1. लक्षणगीत 2.ध्रुपद
अध्याय –6	पाठ्यक्रम की तालों एवं रागो की बंदिशो का स्वरलीपि लेखन में – 1. ताल– कहरवा, चौताल हटाई व सभी तालों की दुगुन 2. रागों की बंदिशो का स्वरलिपि लेखन

कण्ठ संगीत (खण्ड–अ) क्रियात्मक/प्रायोगिक

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
अध्याय 1	1. रागें – (अ) देशकार, भैरव (ब) बड़ा ख्याल (स) एक छोटा ख्याल (द) लक्षण गीत (य) दो सरगम गीत 2.तालों की दुगुन तालें –कहरवा, चौताल 3. परीक्षक द्वारा प्रस्तुत राग को पहचानना।

कक्षा : XI
(खण्ड–ब)

विषय : स्वर वाद्य (सैद्धान्तिक)

विषय कोड : सितार(65)/सरोद(66)/वॉयलिन(67)/दिलरूबा–इसराज(68)/बांसुरी(69)/गिटार(70)

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
अध्याय 1	निम्न लिखित परिभाषाएं – जमजमा, गमक
अध्याय 2	पाठ्यक्रम की रागों का शास्त्रीय वर्णन – 1. भैरव 2. देशकार
अध्याय 3	निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनियाँ – निखिल बैनर्जी, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
अध्याय 4	पाठ्यक्रम की रागों की विलम्बित गत को लिपिबद्ध करना।
अध्याय –5	पाठ्यक्रम की तालों की दुगुन हटाई व दादरा, कहरवा ताल

विषय : स्वर वाद्य (क्रियात्मक)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
1	निर्धारित रागों में से – भैरव, देशकार (अ) किसी एक राग में मसीतख़ानी गत। (ब) शेष दो रागो में रज़ाख़ानी गत
2	पाठ्यक्रम में सभी शास्त्रीय तालों की दुगुन। दादरा व कहरवा तालें
3	वाद्य पर रागों को पहचानना
4	तबले पर ताल पहचानना।

कक्षा : XI
(खण्ड–स)

विषय : तबला/पखवाज (ताल वाद्य) (सैद्धान्तिक)
विषय कोड : तबला(63) /पखावज (64)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
1	निम्न की परिभाषा – कायदा,परन, पेशकार (चौगुन की लयकारी)
3	वाद्यों का विस्तृत अध्ययन –पखावज
4	संगीतज्ञों की जीवनियाँ एवं पूर्ण परिचय – 1. नाना पानसे 2. कुदऊ सिंह
5	पाठ्यक्रम की तालों को चौगुन में लिखना – धमार ताल, सूलताल

विषय : ताल वाद्य (क्रियात्मक)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
1	धमार ताल का विस्तृत वादन।
2	पाठ्यक्रम की तालों को चौगुन में बजाना व धमार, सूलताल
3	किसी ताल में निम्न परिभषित शब्दों को प्रायोगिक स्पष्ट करना। कायदा, परन,पेशकार

कक्षा : XI
(खण्ड–द)

विषय : संगीत कत्थक नृत्य (सैद्वान्तिक)
विषय कोड : नृत्य (59)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या :	हटाया शीर्षक
1	(अ) निम्न की परिभाषा – आमद,ठाठ।
3	नृत्यकारों की जीवनियाँ पं. सुन्दर प्रसाद जी।
4	शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचय मणिपुर।
6	निर्धारित तालों की चौगुन को लिखने का अभ्यास ,दादरा, चौताल

विषय : संगीत (खण्ड–द) कत्थक नृत्य (क्रियात्मक)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

अध्याय संख्या	हटाया शीर्षक
1	तत्कार के 2 पलटो का प्रदर्शन।
2	त्रिताल नृत्य प्रस्तृति – चौगुन, टुकडे। दादरा, चौताल
4	एकताल में लहरे का ज्ञान व तालों की प्रस्तुति।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
कक्षा–11

परीक्षा 2021 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम
विषय– संगीत (कण्ठ संगीत/स्वर वाद्य/ताल वाद्य/नृत्य)

इस विषय में 3.15 घण्टे की अवधि का 30 अंकों का एक सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र होगा तथा 30 मिनट की अवधि की 70 अंकों की क्रियात्मक परीक्षा होगी। परीक्षार्थियों को सैद्धान्तिक एवं क्रियात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम विषयवार चार भागों में विभाजित है। विद्यार्थी निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं।

खण्ड–अ	गायन
खण्ड–ब	स्वर वाद्य **(सितार/सरोद/वॉयलिन/दिलरूबा /इसराज/बांसुरी/गिटार)** कोई एक वाद्य
खण्ड–स	ताल वाद्य (तबला व पखावज) कोई एक वाद्य
खण्ड–द	नृत्य (कत्थक)

परीक्षा योजना

प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	30	
क्रियात्मक	0.30	70	100

(अ) कण्ठ संगीत–गायन

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक : 100**

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक– 1.	सांगीतिक परिभाषाएं, राग वर्णन, जीवन परिचय।	10
	बंदिशों का शास्त्रीय ज्ञान, स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान, तालों को लिपिबद्ध करना।	20
प्रायोगिक– 2.	विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
	हाथ से ताल लगाने का ज्ञान।	10
	सुगम संगीत गायन।	10

क्र.सं. पाठ्यवस्तु (सैद्धान्तिक) अंकभार 30

1. निम्न की परिभाषा 04

नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, राग, लय, ताल

2. रागों का विस्तृत शास्त्रीय वर्णन 03

(a) राग यमन (b) राग देस

(c) राग बागेश्री

3.	**संगीतज्ञों का योगदान एवं जीवनियाँ–**	03
	(a) तानसेन (b) पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे	
	(c) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर	
4.	**विविध बंदिशों का विस्तृत एवं शास्त्रीय ज्ञान**	05
	(a) सरगम गीत (b)ख्याल	
	(c) तराना	
5.	**पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे की स्वरलिपि पद्वति का ज्ञान**	05
6.	**पाठ्यक्रम की तालों का ठाह सहित लेखन।**	10
	तालें दादरा, एकताल, त्रिताल	

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

इकाई	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार**
1.	निर्धारित रागें– यमन, देस व बागेश्री।	
	(a) किसी एक राग छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।	12
	(b) किन्हीं दो रागों में छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।	24
	(c) एक राग में सरगम गीत।	12
2.	ताल को हाथ से लगाते हुए ठेका लगाए	10
	दादरा, एकताल, त्रिताल।	
4.	राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, देशभक्ति गीत, प्रार्थना एवं लोकगीत की रचनाओं का गायन।	12

(ब) स्वर वाद्य संगीत–वादन

सितार(65) / सरोद(66) / वॉयलिन(67) / दिलरूबा–इसराज(68) / बांसुरी(69) / गिटार(70)

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार 30+70=100**
सैद्धान्तिक		
1.	सैद्धान्तिक–परिभाषायें, सांगीतिक तथा वाद्ययंत्र का वर्णन।	09
2.	रागों का शास्त्रीय विवरण तथा स्वरलिपि पद्वति।	08
3.	संगीतज्ञों की जीवनी तथा संगीत के क्षेत्र में योगदान।	03
4.	ताल का ज्ञान।	10
क्रियात्मक		
1.	वाद्य में गत का वादन करना। (द्रुत)	30
2.	शास्त्रीय तालों का ज्ञान	30
3.	उपशास्त्रीय व लोकधुन।	10

(सैद्धान्तिक)

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार 30**
1.	निम्नलिखित परिभाषाएं–	05
	नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, राग और राग की जाति, थाट, मींड, गत।	
2.	पाठ्यक्रम की रागों का शास्त्रीय वर्णन।	05

यमन, देस, और बागेश्री।

3.	निम्नलिखित संगीतज्ञों कीं जीवनियाँ– पं.रविशंकर, मसीत खॉ, उस्ताद इनायत खां।	05
4.	तालों का शास्त्रीय परिचय तथा उन्हें ठाह के साथ लिपिबद्ध करना – एकताल, चौताल, त्रिताल	05
5.	अपने वाद्य का सचित्र वर्णन करना।	05
6.	पं. विष्णु नारायण भात्खण्डे की स्वरलिपि पद्वति का लेखन	05

(ब) स्वर वाद्य संगीत– वादन क्रियात्मक

सितार/सरोद/वायलिन/दिलरूबा/बांसुरी/गिटार व इसराज

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 70**

इकाई

1.	निर्धारित रागों में– यमन, देस व बागेश्री	
	(अ) किसी एक राग में रज़ाख़ानी गत तोड़े एवं झाले सहित।	20
	(ब) शेष दो रागों में रज़ाख़ानी गत तोड़े सहित।	30
	(स) एक धुन का वादन।	10
2.	शास्त्रीय तालों का परिचय– ठाह के साथ हाथ से ताली द्वारा तालों की पढ़न्त।	10

(स) संगीत– तालवाद्य : तबला(63)/पखावज(64)

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक : 30+70=100**

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
सैद्धान्तिक		
1.	परिभाषा, ताल, वाद्य का अध्ययन।	20
2.	जीवन परिचय– ताल का ज्ञान	10
प्रायोगिक (क्रियात्मक)		
1.	ताल – वादन	40
2.	पारिभाषिक शब्द, संगत।	30

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)**	**अंकभार 30**
1.	निम्न की परिभाषा मुखड़ा, तिहाई, लय, गत, ताल और लयकारी (दुगुन, तिगुन)	– 08
2.	ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन	5
3.	तबला वाद्य का विस्तृत अध्ययन	06
4.	संगीतज्ञों की जीवनियाँ एवं पूर्ण परिचय कण्ठे महाराज, उस्ताद अल्लारक्खा खां, सामता प्रसाद (गुदई महाराज)	06
5.	पाठ्यक्रम की तालों को ठाह (बराबर) दुगुन में लिखना। त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल।	05

(स) संगीत– वादन ताल वाद्य

तबला / पखावज (क्रियात्मक)

समय : आधा घण्टे **पूर्णांक : 70**

1.	त्रिताल, एकताल, में से किसी एक ताल का विस्तृत वादन।	20
2.	(त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल) तालों को दुगुन में बजाना (लय साधन व गति का अभ्यास)	20
3.	किसी ताल में निम्न पारिभाषिक शब्दों को प्रायोगिक स्पष्ट करना। मुखड़ा, तिहाई।	20
4.	मध्यलय में संगत का प्रदर्शन।	10

(द) संगीत– कथक नृत्य (59)

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 30+70=100**

	क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
सैद्धान्तिक–	1.	शास्त्रीय परिभाषा व प्रायोगिक नृत्य का ज्ञान	13
	2.	व्यक्तित्व अध्ययन	05
	3.	प्रचलित शैलियों का सामान्य अध्ययन।	08
	4.	ताल अध्ययन।	04
क्रियात्मक–	1.	मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास	30
	2.	विषय की गहनता	30
	3.	अन्य शैली का ज्ञान	10

(सैद्धान्तिक)

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार 30**
1.	अ. निम्न की परिभाषा– लय, ताल, आवर्त्तन, ठेका, तत्कार, सलामी	04
	ब. असंयुक्त हस्तमुद्राओं का ज्ञान–	04
2.	कत्थक नृत्य के घरानों का ज्ञान – जयपुर, लखनऊ	05
3.	नृत्यकारों की जीवनियाँ– बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, सितारा देवी।	05
4.	विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचय– भरतनाट्यम, ओडिसी, कत्थक।	04
5.	लोक नृत्य का परिचय एवं राजस्थान के लोक नृत्यों का ज्ञान– घूमर, तेराताली, चरी।	04
6.	निर्धारित तालों की ठाह व दुगुन को लिपिबद्ध लिखने का अभ्यास– (त्रिताल, कहरवा, एकताल)	04

(द) संगीत– कथक नृत्य (क्रियात्मक) पूर्णांक : 70

1.	तत्कार के 3 पलटों का प्रदर्शन	10
2.	त्रिताल नृत्य प्रस्तुति– तत्कार की ठाह, दुगुन, आमद, सलामी, साधारण तिहाई, कवित्त।	20
3.	सीखे गए बोलों की पढंत, मुद्राओं का प्रदर्शन।	20
4.	त्रिताल में लहरे का ज्ञान व तालों की प्रस्तुति।	10
5.	किसी प्रादेशिक लोक नृत्य की प्रस्तुति।	10

निर्धारित पुस्तक –स्वर विहार भाग–1 – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

कक्षा – 12

विषय –कण्ठ संगीत गायन (सैद्धान्तिक)

विषय कोड – 16

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

खण्ड–(अ)

ईकाई / अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	वर्ण, ग्राम, मूर्च्छना,गमक
इकाई अध्याय 2	भातखण्डे कृत श्री मल्लक्ष्य संगीतम्
	रागों का समय सिद्वांत
इकाई अध्याय 4	राग खमाज, राग भैरवी
	पाठ्यक्रमों की रागों को स्वर–समूह से पहचानना।
इकाई अध्याय 5	रागों की बन्दिशों को स्वरलिपि बद्ध करना।
	पाठ्यक्रम के तालो को दुगुन में लिपिबद्ध करना।
	झपताल, धमार
इकाई अध्याय 6	संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान कुमार गन्धर्व उस्ताद अल्लादिया खाँ

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

ईकाई / अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	(अ) निर्धारित रागों– खमाज और भैरवी, (ब) किसी एक राग में विलम्बित (बड़ा) ख्याल (स) किसी भी राग में ठुमरी, दादरा। (द) किसी भी राग में ध्रुपद अथवा धमार दुगुन सहित।
इकाई अध्याय 2	(अ) ताल की दुगुन करना। (ब) झपताल, धमार ताल।
इकाई अध्याय 3	परीक्षक द्वारा प्रस्तुत की गई राग को पहचानना।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

कक्षा – 12

स्वर वाद्य (सैद्धान्तिक)

विषय कोड – सितार(65) /सरोद(66) /वॉयलिन(67) /दिलरूबा–इसराज(68)/बांसुरी(69) /गिटार(70)

खण्ड (ब)

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

ईकाई/ अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	परिभाषाऐं – कृन्तन, जमजमा, मींड
इकाई अध्याय 2	(i) ग्रन्थ भृतखंडे कृत : श्रीमल्लक्ष्य संगीतम् (ii) रागों का समय सिद्वांत
इकाई अध्याय 4	रागों का पूर्ण शास्त्रीय वर्णन – (i) खमाज एवं भैरवी (ii) पाठ्यक्रम की रागों को स्वरसमूह द्वारा पहचानना।
इकाई अध्याय 5	(अ) तालों को दुगुन में लिखना (ब) झपताल, धमार ताल (स) रागों की मसीतख़ानी गत को लिपिबद्ध करना।
इकाई अध्याय 6	संगीतज्ञों का पूर्ण जीवन परिचय – हरिप्रसाद चौरसिया, एन. राजम,

खण्ड (ब) स्वर वाद्य (क्रियात्मक)

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

ईकाई/ अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	(i) किसी एक राग में मसीतख़ानी गत (ii) किसी एक राग में रज़ाख़ानी गत 2–2 तोड़ों के साथ।
इकाई अध्याय 2	वाद्य पर प्रायोगिक प्रदर्शन–कृंतन, ज़मजमा।
इकाई अध्याय 4	तालों की दुगुन को हाथ पर लगाने का ज्ञान।
इकाई अध्याय 5	परीक्षक द्वारा गाये/बजाये गये रागों की पहचान करना।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

कक्षा – 12

ताल वाद्य तबला(63) /पखावज (64) (सैद्धान्तिक)

खण्ड–स

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

ईकाई/ अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	(अ) परिभाषाऐं – मोहरा, चक्करदार तिहाई (ब) लयकारियां– कुआड़, बिआड़
इकाई अध्याय 2	(अ) तालों का तुलनात्मक अध्ययन : दीपचंदी–झूमरा (ब) पाठ्यक्रम की तालों को तिगुन एवं चौगुन में लिखना। दीपचंदी, झूमरा,
इकाई अध्याय 4	जीवनियाँ एवं योगदान – पुरुषोत्तम दास पखावजी, रामशंकर पागलदास,

खण्ड–स – ताल वाद्य तबला(63) /पखावज (64)(क्रियात्मक)

ईकाई/ अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	विद्यार्थी की इच्छानुसार किसी भी ताल का विस्तृत वादन :– कायदा, चक्रदार तिहाई
इकाई अध्याय 2	बिन्दु एक के अतिरिक्त किसी ताल में कायदा
इकाई अध्याय 4	पाठ्यक्रम की तालों को चौगुन व आड़ी लय में बजाना।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

कक्षा – 12

विषय–कथक नृत्य (59)–सैद्धान्तिक
(खण्ड–द)

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

ईकाई / अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	(अ) परिभाषाऐं–चतुर्विध–अभिनय (ब) चतुरंग
इकाई अध्याय 2	नृत्यकारों की जीवनियाँ– पं जयलाल जी
इकाई अध्याय 4	(अ) शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान–माहिनिअट्टम्, सत्रिया
इकाई अध्याय 5	तालों की चौगुन में लिखने का ज्ञान तीव्रा, धमार

(द) कथक नृत्य (59) (क्रियात्मक)
परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

ईकाई / अध्याय संख्या व नाम	शीर्षक एवं विषय वस्तु
इकाई अध्याय 1	झपताल में हस्तकों सहित– 2 ठाठ
इकाई अध्याय 2	मुख्य प्रस्तुति–ठाठ, परण, झपताल में लहरे का ज्ञान।
इकाई अध्याय 4	पाठयक्रम की तालों की प्रस्तुति–चौगुन।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
परीक्षा 2021 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम
कक्षा–12

विषय– संगीत (कण्ठ संगीत/स्वर वाद्य/ताल वाद्य/नृत्य)
विषय– कण्ठ संगीत
विषय कोड–16

इस विषय में एक प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	24	6	30	
प्रायोगिक	4.00	70	–	70	100

परीक्षार्थियों को सैद्धान्तिक एवं क्रियात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम विषयवार चार भागों में विभाजित है। विद्यार्थी निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं।

खण्ड–अ	**गायन**
खण्ड–ब	**स्वर वाद्य (सितार/सरोद/वॉयलिन/दिलरूबा /इसराज/बांसुरी/गिटार) कोई एक वाद्य**
खण्ड–स	**ताल वाद्य(तबला व पखावज) कोई एक वाद्य**
खण्ड–द	**नृत्य (कत्थक)**

(अ) कण्ठ संगीत– गायन (सैद्धांन्तिक)

समय : 3.15 घण्टे

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	सैद्धान्तिक– (i) परिभाषाएँ, पद्धतियाँ, ग्रन्थ अध्ययन, समय सिद्वांत, घराने एवं जीवन परिचय	16
2.	(ii) राग, ताल एवं वाद्य परिचय, रागों एवं तालों को लिपिबद्ध करना।	08
	प्रायोगिक– (3) विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
	(4) हाथ से ताल लगाना।	10
	(5) सुगम संगीत एवं राग पहचानना।	10

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)	अंकभार
1.	निम्नलिखित की परिभाषाएँ (i) अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, तान। (ii) भारत में प्रचलित संगीत पद्वतियों (उत्तरी व दक्षिणी) की सामान्य जानकारी।	04
2.	(अ) संगीत ग्रंथों का अध्ययन : (i) भरत कृत नाट्यशास्त्र, (ii) शारंगदेव कृत संगीत–रत्नाकर	04
3.	(अ) घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन– ग्वालियर घराना, किराना घराना एवं जयपुर घराना। (ब) तानपुरे की सम्पूर्ण जानकारी (सचित्र)	04

4.	(अ) रागों का शास्त्रीय वर्णन : राग वृन्दावनी सारंग, राग बिहाग, राग भूपाली, मालकौंस	**04**
5.	(अ) तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह में लिखिए : एकताल, चौताल, पंजाबी ताल, त्रिताल।	**04**
6.	संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान :– (अ) मीराबाई (ब) महाराणा कुम्भा (स) पं. जसराज	**04**

(अ)कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

इकाई	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार**
1.	(अ) निर्धारित रागों–वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, मालकौंस में से किन्हीं दो रागों में द्रुत ख्याल आलाप तानों सहित।	20
	(ब) किसी एक राग में स्वर मालिका	10
	(स) किसी एक राग में तराना	10
2.	ताल को हाथ से लगाते हुए ठेका लगाइये एकताल, चौताल, पंजाबी ताल, त्रिताल।	15
3.	राजस्थानी लोकगीत, भजन अथवा गजल।	15

नोट– दो छोटे ख्याल व स्वर मालिका व तराना हेतु अलग–अलग रागों का चयन करें।

(ब) स्वर वाद्य (सैद्धान्तिक)

सितार(65) /सरोद(66) /वॉयलिन(67) /दिलरूबा–इसराज(68)/बांसुरी(69) /गिटार(70)

समय : 3.15 घंटा **पूर्णांक : 24**

	अधिगम क्षेत्र	**अंकभार**
सैद्धान्तिक	1. परिभाषायें, पद्धतियां, ग्रंथ अध्ययन, घराने एवं जीवन परिचय।	**20**
	2. राग, ताल, एवं राग परिचय एवं राग व तालों को लिपिबद्ध।	**14**
क्रियात्मक	1. विभिन्न वादन शैलियों का वादन	**50**
	2. हाथ से ताल लगाना।	**20**

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार**
1.	निम्न की परिभाषाएं– (i) वर्ण, अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, जोड़ आलाप, तोड़ा, झाला,। (ii) भारत में प्रचलित संगीत पद्धतियों की सामान्य जानकारी।	**04**
2.	निम्नलिखित ग्रन्थों का अध्ययन (i) भरतकृत नाट्य शास्त्र, शारंगदेव कृत : संगीत रत्नाकर	**04**
3.	घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन (i) इमदादखानी बाज, मैहर बाज, जाफरखानी बाज (ii) अपने चयनित वाद्य का सचित्र वर्णन	**04**
4.	रागों का पूर्ण शास्त्रीय वर्णन (i) वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, मालकौंस	**04**
5.	(i) तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह में लिखना। एकताल, चौताल, पंजाबी ताल, त्रिताल। (ii) रजाखानी गत को लिपिबद्ध करना।	**04**
6.	संगीतज्ञों का पूर्ण जीवन परिचय – उस्ताद अली अकबर खाँ, विलायत खाँ, विश्वमोहन भट्ट,	**04**

(ब) स्वर वाद्य – क्रियात्मक

समय : 30 मिनट प्रति छात्र — पूर्णांक : 70

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	(i) किसी एक राग में रज़ाख़ानी गत (तोड़े एवं झाला सहित)	20
	(ii) पाठ्यक्रम में से कोई 2 रागों में रज़ाख़ानी गत 2–2 तोड़ों के साथ	15
2.	(i) किसी एक लोकधुन को अपने वाद्य पर बजाना।	05
	(ii) वाद्य पर प्रायोगिक प्रदर्शन– मींड,	05
	(iii) किंन्ही दो रागों में जोड़ आलाप (बिन्दु–1 के अतिरिक्त)	05
3.	तालों के ठेका को हाथ पर लगाने का ज्ञान	10
4.	परीक्षक द्वारा गाये/बजाये गये रागों की पहचान करना।	05
5.	तबले पर बजाई जाने वाली तालों को पहचानना	05

(स) ताल वाद्य

तबला(63) /पखावज (64) (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घंटा — पूर्णांक : 24

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक		
	1. विषय का तकनीकी एवं प्रायोगिक अध्ययन	13
	2. विषय का ऐतिहासिक एवं प्रान्तीय अध्ययन	08
	3. जीवन परिचय ज्ञान	03
क्रियात्मक		
	1. मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	35
	2. विषय की गहनता की जांच	20
	3. वाद्य तकनीक एवं संगीत अभ्यास	15

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ) निम्न की परिभाषाएँ– जरब, क्रिया, पेशकार, रेला, उठान, (ब) लयकारियां– आड़,	04
2.	(अ) तालों का तुलनात्मक अध्ययन 1.चौताल– एकताल 2. झपताल– सूलताल 3. रूपक– तीव्रा (ब) पाठ्यक्रम की तालों का वर्णन व दुगुन में लिखना– रूपक, तीव्रा, पंजाबी, त्रिताल, तिलवाड़ा	06
3.	(अ) अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, राजस्थानी लोक अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में (ब) तबले के प्रमुख बाज – फर्रुख़ाबादबाज़, बनारसबाज़, अजराड़ाबाज़	08
4.	जीवनियाँ एवं योगदान – पंडित चतुरलाल, पंडित अनोखेलाल, अहमद जान थिरकवा	03
5.	वाद्य वर्णन – अपने वाद्य का सचित्र वर्णन	03

(स) ताल वाद्य (क्रियात्मक)

तबला(63) /पखावज (65)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र — पूर्णांक : 70

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	विद्यार्थी की इच्छानुसार किसी भी ताल का विस्तृत वादन :– उठान, पेशकार,गत, परन, रेला,	20
2.	बिन्दु एक के अतिरिक्त किसी ताल में–पेशकार, गत व तिहाई का प्रदर्शन	15

3.	पाठ्यक्रम की तालों को ठेका दुगुन लय में बजाना	10
4.	अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान	05
5.	विभिन्न तालों के लहरों के साथ संगत अभ्यास	10
6.	ताल की विभिन्न वादन रचनाओं की पढ़न्त व हाथ से ताल प्रदर्शन	10

(द) कथक नृत्य (59)–सैद्धान्तिक

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 24**

क्र.सं.		**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
सैद्धान्तिक	1.	नृत्य के शास्त्रीय व प्रायोगिक पक्ष का ज्ञान	06
	2.	कथक का इतिहास शैलीगत भेद व व्यक्तित्व अध्ययन	09
	3.	लोक व शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन।	06
	4.	ताल अध्ययन।	03
क्रियात्मक	1.	मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	45
	2.	विषय की गहनता की जांच	15
	3.	अन्य शैली का ज्ञान	10

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार**
1.	(अ) परिभाषाऐं– नृत्त, नृत्य, नाट्य, तांडव, लास्य, प्रमलु संयुक्त हस्त मुद्रा (ब) ठुमरी, भजन, चतुरंग, तराना–गीत शैलियों का ज्ञान	**06**
2.	(अ) कत्थक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास (ब) लखनऊ व जयपुर घराने का तुलनात्मक अध्ययन	**06**
3.	नृत्यकारों की जीवनियां– पं. अच्छन महाराज, पं. जयलाल जी, पं. कुंदनलाल गंगानी, पं. गोपीकृष्ण	**03**
4.	(अ) शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान– कथकलि, कुचिपुड़ी (ब) राजस्थानी लोक नृत्य– गैर नृत्य कच्छीघोड़ी, कालबेलिया	**06**
5.	तालों को दुगुन में लिखने का ज्ञान झपताल, इकताल, पंजाबी, त्रिताल	**03**

(द) कथक नृत्य (59) (क्रियात्मक)

समय– 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

1.	त्रिताल में हस्तकों सहित – 1 सलामी, 1 आमद, चक्करदार तोड़े सहित	20
2.	मुख्य प्रस्तुति– ठाठ, आमद, वंदना, तोड़ा/टुकड़ा, गत निकास, परण, तिहाई, पढंत प्रदर्शन सहित त्रिताल, इकताल में लहरे का ज्ञान	25
3.	पाठ्यक्रम की तालों की प्रस्तुति– दुगुन में	05
4.	लोक नृत्य की प्रस्तुति।	10
5.	विशेष भाव पक्ष – मुख मुद्रा व अंग प्रत्यंगों द्वारा भावपूर्ण प्रदर्शन तत्कार – पदाघातों (Footwork) में कुशलता व सफाई लय पक्ष – नृत्य के किसी भी भाग में लय अधिकार	10

निर्धारित पुस्तक – स्वर विहार– संगीत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।